Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

Song: Main kabhi batlata nahi
Lyricist: Prasoon Joshi

मैं कभी बतलाता नहीं
पर अँधेरे से ड़रता हूँ मैं माँ
यूँ तो मैं दिखलाता नहीं
तेरी परवाह करता हूँ मैं माँ
तुझे सब है पता है ना माँ
तुझे सब है पता मेरी माँ

उनसे मैं ये कहता नहीं
पर मैं सहम जाता हूँ माँ
चेहरे पे आने देता नहीं
दिल ही दिल में घबराता हूँ माँ
तुझे सब है पता है ना माँ
तुझे सब है पता मेरी माँ

भीड़ में यूँ ना छोड़ो मुझे
घर लौटके भी आ ना पाऊँ माँ
भेज ना इतना दूर मुझको तू
याद भी तुझको आ ना पाऊँ माँ
क्या इतना बुरा हूँ मैं माँ
क्या इतना बुरा मेरी माँ

ओ मैं कभी बतलाता नहीं
पर अँधेरे से ड़रता हूँ मैं माँ
यूँ तो मैं दिखलाता नहीं
तेरी परवाह करता हूँ मैं माँ
तुझे सब है पता है ना माँ
तुझे सब है पता मेरी माँ

जब भी कभी पापा मुझे
जो ज़ोर से झुला झुलाते है माँ
मेरी नज़र ढूँढ़ें तुझे
सोचू यहीं तू आके थामेगी माँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.